दशावतार रागमालिका

कमलजास्य ताळम्: आदि

महाराजा स्वाति तिरुनाळ् विरचिता

१. मोहनम्

कमलजास्यहृतनिगमराशिहयग्रीव -
दमन मीनशरीर मामवोदार ॥ १ ॥

२. बिलहरि

धृतमन्दरभूधर दिव्यकूर्मरूप
पीतसुधामोदितविबुधजात ॥ २ ॥

३. धन्याशि

घोरहिरण्याक्ष दारणसूकराकार
वसुधाधार जगदाधार ॥ ३ ॥

४. सारङ्ग

प्रह्ळादावनोपात्तप्रतिभयन्नृहरे
प्रह्ळादितसज्जन दैत्यनिधन ॥ ४ ॥

५. मध्यमावति

कलितवामनरूप खण्डितोद्धत महा -
बलिगर्वजाल सुगुणपाल ॥ ५ ॥

६. अठाणा

शितिधारकुठारक रञ्जितबाहो हरा-
धीतामितशास्त्ररिपुभीम भार्गवराम ॥ ६ ॥

७. नाट्टक्कुरञ्चि

मनुकुलतिलक वञ्चनपरदशकण्ठ-
घनवात रघुवीर संगरधीर ॥ ७ ॥

८. दर्बार्

सीरसमाकृष्ट सारहस्तिनापुर
घोरप्रलम्बहर बलदेव शूर ॥ ८ ॥

९. आनन्दभैरवि

नन्दनीयतमबृन्दावनरचित-
कुन्दसायकलील बालगोपाल ॥ ९ ॥

१०. सौराष्ट्रम्

कलियुगान्त भावि कल्किरुप सजल-
जलदाभसुरशोभ पङ्कजनाभ ॥ १० ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇